52. पाचिर पित्र

Submarine

ग्रावंस् (त) वाडवा वाडवानलः।

(वहें इंगेर) ज्याल कोलावृचिहेति: प्राखा (स्तियां) अर्चि

53. (त्रिष्) स्फलिंगा अग्निक्याः A spark

A burn;

मनायः संज्यरः (समा)

5m 5m 10 11m 55 धर्मगुजः वित्रवितः समवर्ती परेतराद्

54. कृतान्ता यम्नामाता प्रामना यमराड् यमः

काला दाउधरः खाद्धदेवा वैवस्तरे। उन्तकः।

m tm m m m m m A giant or राच्तासः के एएपः ज्ञायात् ज्ञायादा असप आपारः क्रियादः

राजिंचरे। राजिचरः कब्रेश निक्रधात्मजः।

56. यात्धानः पुण्यजने। नेऋता यात् रस्ति।

ग्रचेता वर्गाः पाग्री यादसांपतिर्प्यतिः।

Air or wind. 57. श्रुसनः स्पर्शना वायुम्।तरिश्रा सदागतिः

एवद श्वेर गत्थवहै। गत्थवाहानिलायुगाः।

1 A being, consisting of flame, but with a mare's head, sprung from the thighs of Urva, and was received by the ocean. 2 Masc. Jeles: fem. ज्याला. 3 Fem. स्कृतिंगा, neut. गं. 4 The regent of worlds below; or death, and judge of departed souls. 5 Or saling: 6 Or जात्धात: 7 Or

the regent of water.